

1700/11/1

2019/00/44

5/11/19

पुनरांकुषण प्रमाणपत्र (आरक्षण) का
ता. प्रकी राज

राजस्थान सरकार

(कायदा - 129)

जनरल रुल्स सिविल रुल्स 129 अपेन्डेचर फार्म नम्बर 8 के
न्यायालय उपसमूह अधिकारी, माण्डलमठ जिला भीलवाड़ा (राज.)

क्रिये क्रमांक 1	नम्बर क्रमांक 2	तारिख वापस 3	तारिख फीसला 4	फीसला क्रमांक 5
211 RTI 9/04/19	59/19	31/7/19	5/11/19 रत्नाश्री	

अनवान

श्री. साहेब सुधीर श्री. साहू सुधीर

निवासी सरथल निवासी सरथल वॉर्ड (1)

श्री. जयेश परवान

अधिवक्ता वादी / प्रार्थी / अपीलान्त

अधिवक्ता वादी / प्रार्थी / अपीलान्त

डिप्टीदार

रेस्पॉन्डेंट / मदयुजान

श्री. श्री.



Form No. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी मुकाम माण्डलगढ
श्रीमती लाड पुत्री बालू पत्नी गोपाल कुम्हार नि० सरथला तह० माण्डलगढ जिला भीलवाड़ा।
प्रार्थी

बनाम

लाडू पिता बालू कुम्हार निवासी सरथला तहसील माण्डलगढ जिला भीलवाड़ा।
भूमिधारी तहसीलदार माण्डलगढ जिला भीलवाड़ा।

अप्रार्थीगण

सम मुकदमा :- 212 प्रार्थना पत्र RTA

मु. नं. 59/2019

दिनांक हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स अज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
/07/2019	<p>प्रार्थना पत्र बाद जांच सीगे से प्राप्त हुआ। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया। वकील प्रार्थी की एक पक्षीय बहस सुनी गई वकील प्रार्थीगण ने बहस में बताया कि ग्राम सरथला पटवार हल्का सरथला के आराजी नम्बर 128, 129/2, 135/2, 482/2, 139/2 कुल किता 5 रकबा 16 बीघा 01 बिस्वा भूमि पर अप्रार्थीगण के विरुद्ध अस्थायी निषेधाज्ञा का आदेश फरमावे।</p> <p>वकील प्राथी की एकपक्षीय बहस सुनी एवं पत्रावली का अवलोकन किया जिससे जाहिर आया कि मामला प्रथम दृष्ट्या प्रार्थी के पक्ष का बनता है। एवं अस्थाई निषेधाज्ञा अप्रार्थीगण के जवाब पेश होने तक जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है।</p> <p>अतः ग्राम सरथला पटवार हल्का सरथला के आराजी नम्बर 128, 129/2, 135/2, 482/2, 139/2 कुल किता 5 रकबा 16 बीघा 01 बिस्वा भूमि से अप्रार्थीगण प्रार्थिया को बेदखल नही करे, रहन विक्रय व फसल काश्त में दखलंदाजी नही करे एवं मौके व रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखे। इस आशय की अस्थायी निषेधाज्ञा का अंतरिम आदेश अप्रार्थीगण के विरुद्ध उनके जवाब प्रस्तुत होने तक जारी किया जाता है। पत्रावली वास्ते तलबी/जवाब हेतु नियत दिनांक 05/11/2019 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">(त्रिलोक चन्द मीना) उपखण्ड अधिकारी माण्डलगढ</p>	<p>5/11/19 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी (उपस्थित) वादिना व प्रतिवादी संख्या 1 स्वयं उप०) पत्रावली वास्ते तलबी संख्या इतना लिखने पर प्रार्थिया लाड देवी ने वाय पत्र में प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया है कि वाद पत्र में मज्हाकारान के बीच आपसी राजीनामा हो चुका है</p> <p style="text-align: right;">P.T.O.</p>

अतः अब आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं।
चूंकि मूल वाद खारिज हो चुका है इसलिए
प्रार्थना पत्र का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 212 भा.प्र.
इसी स्ट्रेज पर खारिज किया जाता है।
प्रार्थना पत्र की मैसल नुमांदा होकर नम्बर से
कम हो।

↓
अति
उपस्थान अधिकारी
कलकत्ता